हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, सोमवार 18 मई 2026

11 दैनिक रेलयात्री मंच ने सौंपा ज्ञापन चंडीगढ़-बांद्रा का संचालन...

12 भीषण गर्मी में बिजली के अघोषित कटों ने बढ़ाई...

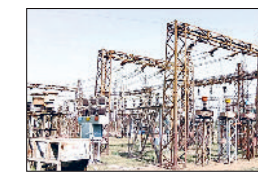

राव नरेंद्र सिंह के निवास पर संदिग्ध घुसपैठ मामले में चल रही पुलिस कार्रवाई
डीएसपी बोले, अब तक हमले या एक्सटॉर्शन गैंग जैसी बात नहीं आई सामने

सीआईए और सिटी थाने की अलग-अलग टीमें गठित सीसीटीवी फुटेज में दिखे संदिग्ध

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

हरियाणा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह के महेंद्रगढ़ रोड पर पॉवर हाउस के सामने स्थित आवास में देर रात संदिग्ध लोगों के घुसने के मामले में पुलिस ने तेजी से कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार के निर्देश पर विशेष टीमों का गठन किया गया है, जो विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच में जुटी है। शनिवार को मामले की जानकारी देते हुए डीएसपी भारत भूषण ने बताया कि जांच के लिए सीआईए नारनौल और थाना सिटी पुलिस की अलग-अलग टीमें बनाई गई हैं। दोनों टीमें तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच को आगे बढ़ा रही हैं। उन्होंने बताया कि आसपास लगे कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, जिनमें कुछ संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिए हैं। पुलिस उनकी पहचान करने और गतिविधियों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

घटना के बाद इलाके में हड़कंप, पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की

सीसीटीवी की वायर काटकर परिसर में घुसे थे संदिग्ध

जानकारी के अनुसार घटना 16 मई की सुबह करीब तीन बजे की है। बताया जा रहा है कि कुछ अज्ञात लोग राव नरेंद्र सिंह के निवास परिसर में घुस आए थे। संदिग्धों ने सबसे पहले सीसीटीवी कैमरों की वायर काट दी, जिससे उनकी गतिविधियां रिकॉर्ड न हो सकें। हालांकि इसी दौरान घर के लोगों को आहट हो गई, जिसके बाद संदिग्ध मौके से फरार हो गए। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण किया। घटना को लेकर राजनीतिक और सामाजिक हलकों में भी चर्चा बनी हुई है।

नारनौल। राव नरेंद्र सिंह के आवास पर तैनात की गई पुलिस। फोटो : हरिभूमि

पुलिस बोली, हर पहलू से हो रही जांच

डीएसपी भारत भूषण ने कहा कि शुरुआती जांच में अब तक किसी एक्सटॉर्शन गैंग के शामिल होने या किसी तरह के हमले जैसी बात सामने नहीं आई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि घटना के दौरान किसी व्यक्ति को शारीरिक नुकसान नहीं पहुंचा और न ही किसी प्रकार की फायरिंग हुई है। उन्होंने कहा कि पुलिस किसी भी संभावना को नजरअंदाज नहीं कर रही और हर पहलू को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है। तकनीकी साक्ष्यों के साथ-साथ संदिग्धों की गतिविधियों का भी विश्लेषण किया जा रहा है। पुलिस की टीमें लगातार आरोपियों की तलाश में लगी हुई हैं और जल्द ही मामले का खुलासा किए जाने का दावा किया जा रहा है।

भाई ने दी थी पुलिस को सूचना

घटना के बाद राव नरेंद्र सिंह के भाई देवेंद्र राव ने पुलिस को सूचना दी थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। इसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों ने भी घटनास्थल का जायजा लिया। राव समर्थकों का कहना है कि एक बड़े राजनीतिक नेता के आवास में इस तरह संदिग्ध लोगों का घुसना सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। वहीं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले को पूरी गंभीरता से लिया जा रहा है और जल्द ही संदिग्धों तक पहुंच बनाई जाएगी।

खबर संक्षेप

अग्निवीर भर्ती के परिणाम घोषित

नारनौल। सेना भर्ती कार्यालय चरखी दादरी के निदेशक कर्नल के. संदीप ने बताया कि अग्निपथ योजना के तहत जनवरी फरवरी में आयोजित की गई अग्निवीर क्लर्क/एसकेटी भर्ती रैली का परिणाम घोषित कर दिया गया है। यह रैली भिवानी के भीम स्टेडियम में आयोजित की गई थी, जिसमें चरखी दादरी, महेंद्रगढ़, रेवाड़ी व भिवानी जिलों के उम्मीदवारों ने भाग लिया था। उम्मीदवार अपना रिजल्ट भारतीय सेना की आधिकारिक वेबसाइट पर देख सकते है। कर्नल ने सभी सफल उम्मीदवार 23 मई को सुबह 5:30 बजे अपने सभी मूल दस्तावेजों के साथ सेना भर्ती कार्यालय चरखी दादरी में रिपोर्ट करें।

युवक से मारपीट कर किया घायल

कनीना। कनीना में आपसी विवाद के दौरान एक युवक पर चाकू से हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने इस संबंध में पीड़ति की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित पवन कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि छह मई को अशोक कुमार ने उन्हें फोन कर दुकान पर बुलाया। वहां पहुंचते ही अशोक ने उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी और चाकू से हमला कर दिया। हमले में हाथ में चोट आई।

अवैध शराब के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

कनीना। सदर थाना पुलिस ने सूचना पर कार्रवाई करते हुए एक युवक को चार पेटी अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति कार में में सवार होकर अवैध शराब लेकर भोजावास की ओर जा रहा है। जिस पर पुलिस ने नाकेबंदी की। संदिग्ध कार को आते देख जब टॉर्च की मदद से रुकने का इशारा किया गया। वाहन की तलाशी लेने पर गाड़ी के अंदर से चार पेटी अवैध देशी शराब बरामद हुई। आरोपित की पहचान जगजीत सिंह उर्फ झब्बू वासी चेलावास के रूप में हुई।

पत्थर से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली जब्त

नारनौल। नांगल चौधरी थाना पुलिस ने अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से खनन किए गए आयरन पत्थर से भरी एक ट्रैक्टर ट्रॉली को पकड़ने में सफलता हासिल की है। पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि नांगल चौधरी थाना पुलिस गश्त कर रही थी। छापरा बीबीपुर गांव की पहाड़ियों में अवैध खनन कर ले जाए जा रहे आयरन पत्थर से भरे ट्रैक्टर ट्रॉली को पकड़ लिया।

मार्च से चल रहा काम, मई में मिला वर्क ऑर्डर, बजट व कार्यशैली पर उठने लगे सवाल

3.78 करोड़ से संवरेगा शोभासागर तालाब ‘नए लुक’ में बनेगा सैलानियों का आकर्षण

राजकुमार ⏭नारनौल

अलग खबर

शहर के बहरोड रोड स्थित ऐतिहासिक शोभासागर तालाब को अब नए स्वरूप में विकसित करने की तैयारियां चली हुई हैं। तालाब के जीर्णोद्धार का कार्य तेजी से चल रहा है और आने वाले समय में यह स्थल सैलानियों के आकर्षण का केंद्र बन सकता है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की ओर से करीब 3.78 करोड़ रुपये का टेंडर छोड़ा गया है, जिसका कार्य सवानी हेरिटेज बांबे नामक एजेंसी को अलॉट किया गया है। एजेंसी को कार्य पूरा करने के लिए आठ माह का समय दिया गया है। जानकारी के अनुसार विभाग द्वारा गत 20 अप्रैल को ऑनलाइन टेंडर आमंत्रित किए गए थे और आवेदन के लिए दस दिन का समय निर्धारित किया गया था। एक मई को टेंडर खोले गए, जिसके बाद सभी नियम एवं शर्तें पूरी करने वाली सवानी हेरिटेज एजेंसी को कार्य सौंप दिया गया। हालांकि हैरानी की बात यह है कि एजेंसी ने टेंडर खुले बगैर ही मई की बजाए मार्च माह से ही मौके पर काम शुरू कर दिया था, जबकि औपचारिक वर्क ऑर्डर मई में जारी होना बताया जा रहा है।

नारनौल। बहरोड रोड स्थित शोभा सागर तालाब यानि शोभा सरोवर व तालाब की तलहटी में दीवार निर्माण करते मजदूर।

यह बोले एसडीओ

पीडब्ल्यूडी के एसडीओ जितेंद्र शर्मा ने बताया कि शोभासागर तालाब का जीर्णोद्धार किया जाना है और कार्य पूरा होने के बाद तालाब नए लुक में नजर आएगा। उन्होंने कहा कि फिलहाल उन्हें बजट की सटीक जानकारी नहीं है। दफ्तर जाकर फाइल देखने के बाद ही बजट संबंधी स्थिति स्पष्ट कर पाएंगे।

दीवारों से लेकर शाही छतरियों तक होगा काम

परियोजना के तहत तालाब की चारदीवारी की मरम्मत, स्टोन पीचिंग, टूटफूट की रिपेयर, शाही छत्रियों का निर्माण तथा नई सीढ़ियों का निर्माण कराया जाना है। एजेंसी की ओर से तालाब के तल से गंदगी एवं गाद की सफाई का कार्य पहले ही किया जा चुका है। फिलहाल मजदूरों व कारीगरों द्वारा तालाब अंदर तल पर चारों ओर कम ऊंचाई वाली दीवार बनाई जा रही है, जिसके बाद मुख्य दीवारों के बीच पत्थरों से पीचिंग की जाएगी। इसका उद्देश्य यह है कि तालाब में पानी भरने की स्थिति में मुख्य दीवारों तक सीधे पानी की पहुंच न हो और दीवारों को नुकसान से बचाया जा सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि कार्य गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा हुआ तो शोभासागर तालाब शहर की सुंदरता बढ़ाने के साथ-साथ पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण स्थल बन सकता है, लेकिन ऐसा निर्माण सामग्री को देखते हुए संभव नहीं लग रहा।

अप्रैल में शुरू हुई टेंडर प्रक्रिया

सबसे अधिक चर्चा इस बात को लेकर हो रही है कि एजेंसी ने मार्च माह में ही मौके पर काम शुरू कर दिया था, जबकि टेंडर प्रक्रिया अप्रैल में शुरू हुई और मई में वर्क अलॉट किया गया। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि बिना औपचारिक आदेश के काम किस आधार पर शुरू किया गया।

आठ माह में पूरा करना होगा कार्य

पीडब्ल्यूडी विभाग की ओर से एजेंसी को कार्य पूरा करने के लिए आठ माह का समय दिया गया है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार तालाब को हेरिटेज स्वरूप देते हुए पुराने ढांचे को सुरक्षित रखने पर भी जोर रहेगा।

निर्माण सामग्री और बजट पर उठे सवाल

मौके पर चल रहे कार्य को देखकर कई सवाल भी खड़े होने लगे हैं। निर्माण कार्य में पारंपरिक चूना मसाले के उपयोग का प्रावधान बताया जा रहा है। नियमों के अनुसार इस मसाले में चूना, सुरखी, ईंटों का चूरा, गूंद, बेलगिरी, दाल का पानी, सीरा तथा गुड़ का पानी मिलाकर विशेष मिश्रण तैयार किया जाता है, लेकिन मौके पर ऐसा कोई मसाला तैयार करने की व्यवस्था नजर नहीं आई। इतना ही नहीं, अब तक लगभग 25 से 30 प्रतिशत कार्य पूरा होने का दावा किया जा रहा है, जबकि स्थानीय लोगों और जानकारों का मानना है कि मौके पर दिखाई दे रहे कार्य के मुकाबले बजट काफी अधिक प्रतीत हो रहा है। लोगों का कहना है कि जिस स्तर का कार्य अभी तक नजर आ रहा है, उस पर बमुश्किल 40 से 50 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान लगता है।

यह लिखा लेख: रेगिस्तान की निकटता के कारण पानी की उपलब्धता नारनौल में हमेशा दुर्लभ थी। इसलिए, आम जनता के उपयोग के लिए मुगल काल (1800 ईवी) के अंतिम चरण के दौरान इस विशाल ताला सरोवर को स्थानीय प्रमुख द्वारा बनाया गया। इस सरोवर का निर्माण तब प्रचलित हिंदू वास्तुकला की शैली में चूने के प्लास्टर की मोटी परत के साथ मलबे चिनाई से निर्माण किया गया था। तालाब केल प्रत्येक बांह में चार सीढ़ियां जल भंडारण टंकी की ओर ले जाती हैं। इसके सीमा की दीवार पर बारह (कियोस्क) छत्र थे।

नारनौल। पेट्रोल मूल्यों में वृद्धि के खिलाफ प्रदर्शन करते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

पेट्रोल-डीजल की वृद्धि पर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

ग्रामीणों ने प की मूल्य वृद्धि वापस लेने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

पेट्रोल-डीजल के मूल्यों में की गई वृद्धि के खिलाफ छापड़ा सलीमपुर और सुराणी गांवों में ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर मूल्य वृद्धि वापस लेने की मांग की। ग्रामीणों ने हाथों में पोस्टर लहरा कर पेट्रोल-डीजल के मूल्य में वृद्धि वापस लो, वापस लो, केंद्र सरकार होश में आओ, मूल्य वृद्धि जन विरोधी है के जोरदार नारे लगाए। प्रदर्शन का नेतृत्व बसपा नेता प्रमुख समाजसेवी नेताजी अतरलाल एडवोकेट ने किया।

अतरलाल ने डीजल व पेट्रोल मूल्यों में की गई तीन रुपये प्रति लीटर की वृद्धि को जन विरोधी बताते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार का काम जनता पर बोझ डालना नहीं बल्कि राहत देना होता है, लेकिन सरकार तेल कंपनियों के दबाव में जाकर जनता का हित भूल चुकी है। बहुजन समाज पार्टी किसान, मजदूर, गरीब और सर्व समाज के हितों के लिए लड़ने वाली पार्टी है। इसलिए पेट्रोल-डीजल के मूल्यों में वृद्धि का विरोध करती है। उन्होंने केंद्र सरकार से वृद्धि को तत्काल वापस लेने की मांग की।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर पर थानेदार शेरसिंह यादव, दानसिंह प्रजापत, भागसिंह चेयरमैन, कैलाश सेठ, निरंजन, बाबूलाल, सुरेंद्र, रामचंद्र सौदागर, अभय सिंह, नरेंद्र सिंह, दिलीप सिंह, पृथ्वीपाल, सुकर्मपाल, संदीप कुमार, प्रीतम, हेमराज, नितेश, संजय मिस्त्री, राजेंद्र, सुरेश कुमार, सावंत राम, सुरेंद्र, राजेंद्र ठेकेदार, तेजपाल, नवीन, सोनू, कार्तिक, चेतन, त्रिलोक, हेमंत, भारत, मंदीप, रोहित, हिमेश, सहदेव, आशीष, सतबीर, अजय कुमार, हवासिंह, अशोक, शीशराम, विजय, नवीन, राजकुमार, विक्रम, प्रमोद, सतपाल, राकेश, रामकुमार, सुरेश, विक्रम, राकेश, भूपेश, कालूराम, हनुमान प्रसाद, दयानंद, वेदप्रकाश, नरेंद्र, हरिसिंह, हरफूल, कैलाश चंद, रजनीश, सत्यवीर सिंह, सुभाष, जमुना देवी, कमला, गणपति, प्रेमलता, रामप्यारी, सुनीता, मंजू देवी, विद्या देवी, शारदा देवी, राधेश्याम, हरपाल यादव आदि सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

चोरी मामले में हिस्ट्रीशीटर सहित 4 आरोपित गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

थाना निजामपुर की पुलिस टीम ने कुएं से केबल चोरी होने के मामले को सुलझाते हुए चार आरोपितों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपितों में चोरी करने वाले दो आरोपित और चोरी का सामान खरीदने वाले दो आरोपित शामिल हैं। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से चोरी की गई केबल भी बरामद कर ली है। शिकायतकर्ता ने बताया था कि 15 मई की रात को उसके बोरवेल की मोटर के पास रखी करीब 1000 फुट लंबी केबल चोरी हो गई थी। मामले में निजामपुर थाना पुलिस ने तत्परता से कार्रवाई की और केबल चोरी करने के आरोप में वीरेंद्र और धर्मेंद्र निवासी मेघोत बिंजा को गिरफ्तार किया। चोरी का सामान खरीदने वाले दो आरोपित गुलाई निवासी बानसूर हाल नांगल चौधरी व हंसराज निवासी मूसनोता हाल नांगल चौधरी को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित।

कामयाबी जालसाजों ने सुनियोजित तरीके से 1034263 रुपये की की थी धोखाधड़ी

टेलीग्राम पर पार्टटाइम जॉब का झांसा देकर 10 लाख से अधिक ठगने वाला आरोपित गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

साइबर क्राइम पुलिस ने टेलीग्राम व गूगल मैप्स रिव्यू के जरिए पार्टटाइम जॉब का झांसा देकर 10 लाख रुपये से अधिक की ठगी करने के मामले में एक आरोपित को राजस्थान से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपित की पहचान राजस्थान के झुंझुनूं जिले के गोठड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले चैनगढ़ निवासी भरत सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपित को 16 मई को राजस्थान के गोठड़ा क्षेत्र से पकड़ा है। महेंद्रगढ़ के गांव डेरोली अहीर निवासी निखिल ने साइबर ठगी की शिकायत दी थी, जिससे जालसाजों ने सुनियोजित तरीके से 1034263 रुपये की धोखाधड़ी की थी। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपित के कब्जे से एक मोबाइल फोन व एक सिम कार्ड बरामद किया है। मामले में साइबर पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर गहन जांच शुरू की। पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल किए गए टेलीग्राम खातों का रिकॉर्ड खंगाला, इसके साथ ही उन सभी बैंक खातों का रिकॉर्ड हासिल किया गया, जिनमें ठगी की रकम ट्रांसफर की गई थी।

नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित। फोटो : हरिभूमि

निखिल को टेलीग्राम के एक कॉइन मैप ग्रुप में जोड़ा

पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि चार सितंबर को शिकायतकर्ता निखिल को टेलीग्राम के एक कॉइन मैप ग्रुप में जोड़ा गया था। इसके बाद विभिन्न टेलीग्राम आईडी के जरिए उसे गूगल मैप पर रेस्टोरेंट को रिव्यू देने के बदले 3000 से 5000 रुपये प्रति प्रमोशन कमाने का लालच दिया गया। विश्वास जीतने के लिए जालसाजों ने शुरूआत में डेमो टास्क के नाम पर शिकायतकर्ता के खाते में 200 रुपये डाले। इसके बाद अलग अलग टास्क पूरे करने, वीक्स नामक साइट पर रजिस्टर करने, अकाउंट को अनफ्रीज करने की फीस भरने और रेपुटेशन पॉइंट कम होने का हवाला देकर पॉइंट खरीदने के नाम पर कई बैंक खातों और यूपीआई आईडी में पैसे जमा कराने के लिए कहा गया।

व्यस्त आदमी को अपना काम करने में जितनी अक्ल की जरूरत पड़ती है, उससे ज्यादा अक्ल बेकार आदमी को समय काटने में लगती है।

- हरिशंकर परसाई

कहानी

आशमा कौल

मां की चिता के फूल

समीर चलो अब घर चलें " – पिता की आवाज़ ने उसे चेताया तो वह धीमे स्वर में बोला – " पापा आप चलें, मैं थोड़ी देर और बैठना चाहता हूं यहां ''।

" ठीक है तो हम चलते हैं, तुम जल्दी आना, कल तुम्हें मांके फूल लेकर हरिद्वार सुबह चार बजे निकलना है "।

" जी पापा'' – बिना पलकें उठाए समीर ने कहा ।

मां की चिता पर बैठे हुए समीर को आज बचपन का एक एक दिन याद आ रहा है और याद आ रही है सुबह- शाम लट्टू सी दौड़ती मां। बड़ा परिवार था सास-ससुर, पति, एक ननद, दो देवर और बेटा-बेटी मिलाकर कुल आठ सदस्य और सारे घर को संभालने वाली अकेली मेरी मां।

दादा-दादी दोनों ने सत्तर पार करते ही पलंग पकड़ लिया था। ननद पूरा दिन दफ्तर रहती, पापा और दोनों चाचा अपने खानदानी कारोबार में व्यस्त रहते, मैं और दीदी अपनी पढ़ाई और खेल-कूद में लगे रहते। मां की मदद कराने के नाम पर एक मेहरी आती जो सुबह सफाई और बर्तन निपटा कर चली जाती । पूरा दिन मां घूमती रहती। सुबह सबका नाश्ता-पानी कराकर शायद कुछ खा लेती और फिर दिनभर दादा जी और दादी जी की सेवा, शाम को सबके आने से पहले रात के भोजन की तैयारी और उसके साथ न जाने कितने सैकड़ों काम वह अकेली जान निपटाती।

आज मैं पछताता हूं, काश कि मैं तब थोड़ा समझदार होता और मां के दुख-दर्द का साथी बनता। मुझे आज भी याद है कि जब एक रात मां बहुत थकी हुई थी, कामवाली आंटी भी उस दिन नहीं आई थी और जब उन्होंने हमसे कुछ मदद मांगी, तब मैं और दीदी उनकी अनसुनी कर पूरा दिन घर से बाहर दोस्तों के साथ खेलते रहे थे। रात को पापा थोड़ा देर से आए थे और उन्हे परोसा गया खाना शायद थोड़ा ठंडा था । तब पापा मां पर बरस पड़े थे –

" लता यह क्या, ठंडा खाना परोस कर रख दिया है, पूरे दिन का थका आता हूं, कोई शर्म लिहाज़ है कि नहीं, पूरा दिन घर में आराम करती हो ''।

मां ने अपने पर संयम रखते हुए धीमे से कहा – " आज मैं सुबह से ही खड़ी हूं, दिन का खाना भी नहीं खा सकी ''। बस इतना कहने की देर थी कि पापा ने गुस्से में खाने से भरी हुई थाली ज़मीन पर दे मारी और मां को गाली देते हुए अपने कमरे में चले गए। किसी की हिम्मत न हुई कि पापा को कुछ समझ सकें, उल्टे सब मां पर ही बरसने लगे कि उन्होंने पति के सामने मुंह ही क्यों खोला। उस दिन शायद मां भी सारा काम निपटा कर रोते-रोते भूखी ही सो गई थी। मेरे अबोध मन को भी उस दिन एक गलत तालीम मिल गई थी कि मां तो होती ही है सिर्फ काम करने के लिए और डांट खाने के लिए। उस दिन के बाद से मां भी अपने प्रति बेपरवाह सी हो गयी थी। सवेरे पांच बजे उठकर चक्की की तरह काम पर लग जाती लेकिन कभी किसी से कोई शिकायत नहीं करती, करती भी तो किससे। किसके पास समय था कि उसके मन की सुनता, उल्टे सब अपनी परेशानियां उसके हवाले कर के घर से निकल जाते जैसे कि उस पर कोई एहसान रख रहे हों। पढ़ी- लिखी तो मां भी थी, उस ज़माने की मैट्रिक पास और फिर जल्दी विवाह हो गया, चाहती तो कहीं नौकरी भी कर सकती थी लेकिन उसे तो यह घर और घरवाले जैसे विरासत में मिले थे। मां अपने संस्कारों की पक्की थी, जो नाना-नानी ने विदा करते हुए पोटली में बांध कर साथ दिए थे। सच कहुं तो दादा-दादी मां को बहुत प्यार करते, इतनी संस्कारी और सुशील बहू जो मिली थी, लेकिन खराब स्वास्थ्य की वजह से वे मां की कोई मदद न कर पाते और न ही कुछ कह पाते। बुआ जी और दोनों चाचा जी भी मां को बहुत मानते और उन्हे भाभी मां कह कर ही संबोधित करते और इस मान के एवज़ में मां उनकी हर ज़रूरत का ध्यान रखती।

> *यह भी कैसी विडंबना थी कि जिसको खुश करने के लिए मां पूरे परिवार का ध्यान रखती, वही रोज़ किसी न किसी कारण से नाराज़ होकर घर से निकल जाता था।*

मुझे याद आ रहा है कि मां मुझे और दीदी को कितना लाड़ करती। पिता जी व्यस्त रहते तो मां ही पापा के हिस्से का प्यार भी हम पर उड़ेल देती और हम मां की परेशानियों और जिम्मेदारियों से बेखबर हवा में उड़ते रहते। मां घर का कम ध्यान रखती तो पापा को शिकायत रहती, पूरा ध्यान रखती तो भी पापा खुश न होते।

"सब घरवालों का ध्यान रखती हो, लेकिन मेरा क्या, मुझे लगता है तुम्हारी शादी मुझसे नहीं मेरे परिवार से हुई है '' - पापा आए दिन तरह तरह के ताने मां को सुनाते। तारीफ के दो शब्द तो कभी न कहते, उल्टा हमेशा उसे कोसते हुए ही घर से निकलते।

यह भी कैसी विडंबना थी कि जिसको खुश करने के लिए मां पूरे परिवार का ध्यान रखती, वही रोज़ किसी न किसी कारण से नाराज़ होकर घर से निकल जाता। पापा के पास भी मां से लड़ने के कई बहाने रहते। उनके काम की थकान , घर की परेशानियों की झुंझलाहट, मां को खरी - खोटी सुना कर ही मानो दूर होती और वह हल्के हो जाते । हम में से जो भी घर घुसता मांको अपने दिनभर की थकान थमा कर हल्का हो जाता, लेकिन मां अपने दिनभर की थकान किसे देती। जब उसका कष्ट उसका पति और बच्चे ही नहीं समझ पाए तो बाकि भी क्यों समझते। मैंने भी तो पापा से यही कुछ सीखा था और अब मैं भी आए दिन मां को परेशान करता, कभी नमक ज्यादा का बहाना बना कर भरी थाली छोड़ देता, कभी दूध गिरा देता और अब तो मैंने मां पर चिल्लाना भी सीख लिया था। वह कहते हैं न कि संगत का असर तो होता ही है। पापा की मर्दानगी देख मैं भी मर्द बनने की कोशिश करता। मां की तकलीफ कभी समझ नहीं पाया। दीदी की बोर्ड की परीक्षा सिर पर आ गई थी और उससे किसी तरह की उम्मीद रखना ही बेकार था ।

मां ने जब दूसरी कामवाली बाई को रखने की इच्छा ज़ाहिर की तो सभी ने यह कहकर मना कर दिया कि हाल ही में सोसाइटी में कई चोरियां हुई हैं और दो बाइयां रखने में चोरी का खतरा है। मां का प्रस्ताव ठंडे बस्ते में चला गया बिचारी मां घर के चक्र व्यूह से कभी बाहर न आ सकी। अब आज इस चक्रव्यूह से मां निकल चुकी है लेकिन अपने जीवन को संस्कारों की दांव पर बलि चढ़ा कर।

कितनी अजीब बात है कि मां धीरे- धीरे अंदर ही अंदर तन और मन के बोझ से गल रही थी और परिवार में किसी को इसकी भनक तक न हुई । हम सब दोषी हैं, लेकिन मैं तो सबसे बड़ा दोषी हूं मां की असमय मृत्यु का। मां के बीमार होने से कुछ दिन पहले ही तो मैं बिना किसी बात मां पर भड़का था और मां मुझे समझाने का विफल प्रयास करती रही थी। वह मुझे अपनी जान से भी ज्यादा प्यार करती थी

> अचंभे की बात है कि मां को गए अभी दो ही दिन हुए हैं और घर के सभी लोग समझदार और स्वावलम्बी हो गए। मैं और दीदी भी दो दिन में ही सयाने हो गए हैं। काश, यह सब मां के जाने से पहले हो जाता।

और मेरे इस व्यवहार से बहुत आहत हुई थी। अगले दिन मां को कमज़ोरी और परेशानी से उसे चक्कर सा आया और बेहोश होकर कोमा में चली गई और फिर कभी होश में न आई। मैं कितना अभागा हूं कि मैंने अपनी प्यारी मां को अपनी नासमझी की वजह से धीरे-धीरे मौत के मुंह में धकेल दिया। शायद अब घर में सभी को ऐसा महसूस हो रहा होगा। पापा और दीदी का तो रो-रो कर बुरा हाल है, शायद वे भी पछतावे की आग में जल रहे हैं और बाकि सब भी अंदर ही अंदर घुट रहे हैं। जाने-अनजाने में उनसे कितना बड़ा पाप हुआ है। सारा घर हैरान-परेशान है कि घर जिस धूरी पर चल रहा था, वह धूरी ही आज टूट गई है तो अब घर कौन संभालेगा। बहुत अचंभे की बात है कि मां को गए अभी दो ही दिन हुए हैं और घर के सभी लोग समझदार और स्वावलम्बी हो गए। मैं और दीदी भी दो दिन में ही सयाने हो गए हैं। काश, यह सब मां के जाने से पहले हो जाता।

मां को अग्नि के सुपुर्द करते समय मैं अंदर से पूरा टूट गया था। आज मेरा मन तड़प-तड़प कर कह रहा है कि हे ईश्वर, यह मेरे साथ ही क्यों हुआ, मेरी मां को इतनी जल्दी क्यों छीन लिया मुझसे, अब तो यह दुनिया रहने लायक ही नहीं रही। मैं ही मां का दोषी हूं और मुझे जीने का कोई हक नहीं है।

समीर अपनी पिछली यादों की अंतर्वेदना में गुम अपने साथ ही बुदबुदा रहा था कि तभी किसी की आवाज़ सुन कर अवचेतन मन से बाहर आया–" बेटा बहुत देर से यहां अकेले बैठे हो, फूल चुन लिए क्या''।

उसने अपनी आंखें खोली और मां की चिता से भस्म को जैसे ही अपने हाथ में लिया, उसी क्षण उसे एक शीतल सिहरन सी महसूस हुई। उसे लगा जैसे एक ठंडी लहर उसके दुख से जलते मन को शांत कर रही है और वह लहर उसके सिर को छूती हुई निकल गई है।

समीर को एक पल को ऐसा लगा जैसे मां उसके सिर पर अपना आशीर्वाद वाला हाथ रखकर व्योम में विलीन हो गई है। उसे अपने और अपनी सोच में कुछ बदलाव सा लगा। उसकी नकारात्मकता गायब हो गई और कुछ पल पहले वह रो-रो कर जहां खुद को दोषी मान रहा था और अपने जीवन को कोस रहा था, वहीं अब उसकी सोच ही बदल गई है। उसने अब तय कर लिया कि वह जीएगा और सिर्फ जीएगा नहीं बल्कि मां के सपने को पूरा करेगा। वह पढ़-लिख कर एक काबिल डॉक्टर बनेगा और गरीबों की सेवा करेगा।

समीर ने मां की चिता से फूल समेटे। मन ही मन संकल्प लिया और उठ खड़ा हुआ, कपड़े झाड़े और चिता को नमस्कार कर वापस घर की तरफ चल पड़ा । आज वह एक बदला हुआ समीर था, उसे यकीन हो गया था कि मां आज भी मरने के बाद उसे बहुत प्यार करती है और उसकी गलतियों को माफ़ कर चुकी है। उसे महसूस हो रहा था कि मां उसके साथ चल रही है, उसकी उंगली थामे।

पुस्तक समीक्षा

देशभक्ति और प्रेम संग्रह 'कितना सुंदर है तिरंगा'

समीक्षक

सेंट्रल डेस्क

आज के दौर में जहां साहित्य कई बार जटिलता की ओर बढ़ता दिखता है, वहीं लघुकविता-संग्रह अपनी सरलता और सीधे संदेश के कारण अलग पहचान बनाते हैं। यह कृति देशभक्ति की भावनाओं को सहज शब्दों में पाठकों तक पहुंचाती है। 'कितना सुंदर है तिरंगा' लघुकविताओं का ऐसा संग्रह है, जिसमें राष्ट्रप्रेम, सैनिकों का पराक्रम और देश के प्रति समर्पण प्रमुख विषय के रूप में उभरकर सामने आते हैं। पुस्तक की कविताएं आकार में छोटी हैं, लेकिन उनका प्रभाव गहरा है। लेखक ने कम शब्दों में बड़े भाव व्यक्त करने की कला को बखूबी निभाया है। इस संग्रह में प्रेम, स्मृतियों, प्रकृति प्रेम, शृंगार, व्यंग्य एवं प्रेम विषय लघुकथाएं अनायास ही मन को छू लेती हैं। वहीं, वीरों की गाथाएं मन में देशभक्ति का जोश भर देती हैं। संग्रह की "हे सैनिक" कविता सैनिक के जीवन, उसकी देशभक्ति और हर परिस्थिति में कर्तव्य निभाने की भावना को उजागर करती है। वहीं "लहरा रहा है तिरंगा" कविता में भारतीय सेना के साहस और आतंकवाद के खिलाफ उसकी निर्णायक कार्रवाई को दर्शाया गया है। वहीं, भारत की ताकत में सेना के शौर्य को दर्शाया गया कि उसने कैसे ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को धूल चटाई। लघु अध्याय दो मां, नाना-नानी, दादा-दादी, भाई बहन और परिवार प्रेम को दर्शाता है। अध्याय तीन प्रेम स्मृति और अध्याय चार प्रेम दर्शन के दर्शन करवाता है। भाषा की दृष्टि से यह संग्रह अत्यंत सरल और सहज है। लेखक ने आम बोलचाल की हिंदी का प्रयोग किया है, जिससे यह पुस्तक हर वर्ग के पाठकों के लिए सुलभ बन जाती है। कविताओं में सीधे-सीधे भाव व्यक्त किए गए हैं, जो बिना किसी जटिलता के पाठक के मन तक पहुंचते हैं। यही इसकी सबसे बड़ी ताकत भी है। हालांकि, साहित्यिक दृष्टि से देखा जाए तो कुछ कविताओं में रूपकों और प्रतीकों का विस्तार कम दिखाई देता है। यदि काव्यात्मक गहराई और बिंबों का प्रयोग थोड़ा और बढ़ाया जाता, तो यह संग्रह और अधिक प्रभावशाली बन सकता था। फिर भी, स्पष्ट और सटीक संदेश देने की दृष्टि से यह शैली उपयुक्त साबित होती है। पुस्तक की प्रस्तावना में लेखक ने लघुकविता विधा के प्रति अपने लगाव और साहित्यिक यात्रा का उल्लेख किया है, जो पाठकों को रचनाओं की पृष्ठभूमि समझने में मदद करता है। कुल मिलाकर 'कितना सुंदर है तिरंगा' एक ऐसी कृति है, जो देशभक्ति के भाव को सरल और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करती है। यह संग्रह उन पाठकों के लिए खास है, जो कम शब्दों में गहरी भावनाएं पढ़ना पसंद करते हैं और राष्ट्रप्रेम से जुड़ी रचनाओं में रुचि रखते हैं।

डॉ. तेजिंद्र

कवि

कवि कॉर्नर

कविता — डॉ. तबस्सुम जहां

आंखें

आंखों से अब क्या,
अपनी कहानी कहें।
बात जो भी कहें,
हम वो ज़ुबानी कहें।
हज़ारो ख़्वाब देखे थे,
हमने बनके मरासिम।
क्यों उनको इन आँखों की,
नादानी कहें...।
जो बीत चुकी वो उम्र थी,
जो ढल चुकी
क्यों न उसे जवानी कहें।
जो छोड़ चुके थे कब से
आँखों की हया औ शर्म
वो चाहते हैं कि
हम उन्हें ख़ानदानी कहें।
देख कर आँख चुराते हो
करते हो नजरअंदाज,
क्या हम इसको
हुज़ूर की बेईमानी कहें।
आओ बैठो दोस्तों
कभी चाय पर मिलो,
तुम नई सुनाओ और
हम कुछ पुरानी कहें।
आँखों से अब क्या
अपनी कहानी कहें
बात जो भी कहें
हम वो ज़ुबानी कहें।..

कविता — सतीश कुमार

संघर्ष बहुत है जीवन में

संघर्ष बहुत है इस जीवन में,
जो हमने करना सीख लिया है।
आंधी में भी दीपक बनकर,
हमने जलना सीख लिया है।

हो लाख मुसीबत राहों में ,
या दुःख की काली रात मिले।
हंसकर हर मुश्किल में आगे,
हमने बढ़ना सीख लिया है।

अपने ही जब छोड़ चले तो,
दिल को थोड़ा दर्द हुआ।
टूटे अरमानों संग खुद को,
हमने गढ़ना सीख लिया है।

झूठ अक्सर रहा जीतता,
यहां सच को ठोकर मिलती है।
सच्चाई के पथ पर फिर भी,
हमने चढ़ना सीख लिया है।

मेरी मंजिल खुद आ जाएगी,
हिम्मत अगर सलामत है।
गिर के उठ जाने का हुनर,
हमने रखना सीख लिया है।

पसीना बोतलों में भरकर रखिए...

व्यंग्य — आसिम अनमोल

> *एक रोज़ पत्नी अपने पति से बोली कि एक ठंडा-ठंडा, कूल-कूल पाउडर का डिब्बा लाकर दीजिए। पति बोला- पिछले सप्ताह तो लाकर दिया था। पाउडर लगाती हो या पड़ोसी को दान कर देती हो। पत्नी तिलमिलाती हुई बोली-मुझ पर क्यों भड़क रहे हो। पाउडर त्वचा पर लगाती हूं टिकता ही नहीं। भड़कना ही है तो बिजली वालों और उस विधाता पर भड़कों जो आसमान से गर्मी की मिसाइलें चलाकर संसार के प्रत्येक दिमाग़ को गर्मागर्म कर रहा है।*

हर वर्ष की तरह घटना बनकर गर्मी फिर आ गई। गर्मी, बारिश लू के थपेड़े मानवीयता को चारों दिशाओं में बड़े साहस के साथ घेरे खड़े हैं । जितना गर्मी से लोग परेशान नहीं हो रहे हैं। उतना मौसम विभाग की चेतावनी से भयभीत हो रहे हैं। जिनको गर्मी नहीं लग रही होती है, उनको भी लगनी शुरू हो रही है। गर्मी का प्रकोप मानसिक पटल पर खूब उत्पात मचा रहा है । गर्मी और लाइट न जाने किस जन्म का बदला ले रहे हैं। इधर गर्मी अपनी आसमानी सत्ता का पावर दिखा रही है। उधर, विद्युत निगम के आकाओं से भीख रूपी अर्जित की जाने वाली लाइट से यदा-कदा पंखे व कूलर चलवा रही है।

कुछ समय बाद गर्मी यह कहकर चली जा रही है कि तुम आम या खास को ज्यादा गर्माहट मत देना। बस अपने हद में रहकर हल्के-फुल्के पसीने छुड़वाते रहना ताकि तुम्हारा संसार में तापमानीय भ्रम बना रहे, वरना तुम्हारी प्रतिष्ठा पर बन आएगी। मौसम विभाग, बिजली और गर्मी तीनों की तिकड़ी गर्मी का शुभारम्भ करते हुए इंसानी शरीर को पसीना-पसीना करके चिपचिपा बनाने पर तुली हुई है। मौसम विभाग शरीर के चिपचिपेपन में वृद्धि करते हुए गर्मी के बढ़ने की ओर पुरज़ोर तरीके से इशारा कर रहा है। छोटे शहरों में लाइट यह कहकर आ-जा रही है कि अपना-अपना पसीना बोतलों में भरकर रखिए। मैं रोस्टिंग निपटा के आती हूं। यह तीनों ही अनुमानित ढंग से ऐसे अपना अपना काम कर रहे हैं, जैसे सरकार अपने मुताबिक काम करती है। अब भला गर्मी को सोचना चाहिए कि इंसान का डीएनए पहले से ही जीवन की समस्याओं और उलझनों में उलझा हुआ है। ऊपर से तुम हर साल सताने आ जाती हो। डिग्री सेल्सियस रुतबा अलग दिखाती रहती है। घटने का काम ही नहीं लेती है।

उसको लगता है कि घटने पर मेरा अपमान हो जाएगा, इसलिए वीर तुम बढ़े चलो की तर्ज पर गर्मी बढ़ती ही रहती है। इसी कारण सरकारी ऑफिस दोपहर में सोने और लेटने के विश्रामगृह बनते जा रहे हैं। घर-घर नींद पसर रही है। गर्मी की पहुंच भी सीधे गगन तक है, इसलिए इंसान का मानसिक पारा इतना गर्म कर रही है कि घरेलू माहौल में भी रोज़-रोज़ की कलह पैदा कर देती है। यानी गर्मी लड़ाई-झगड़ा करवाने की भी प्रतीक है। अब अगर इंसान अपनी गर्मी की हैसियत दिखाने की ओर अग्रसर होगा तो गर्मी पूरे व्यक्तितत्व को जलाने का ही काम करेगी। गर्मी का मिज़ाज़ समझने की ज़रूरत होनी चाहिए। उसके मिज़ाज़ के लिहाज़ से अपना मानसिक संतुलन बनाकर रखना चाहिए। अब प्राकर्तिक गर्मी यह तो नहीं कहती कि आप अपने सिर के बाल नोचते घूमें। बीवी पर गर्मी का गुस्सा उतारें। पड़ोसियों के बच्चों की आपस में कोई नोक-झोंक हो जाए तो खुद परिपक्व बनकर लड़ाई झगड़ों के प्रतीक होते घूमें। बाप की अच्छी सलाह पर जिस्म से बहते पसीने से आजिज़ आकर उनके साथ खराब सलूख की अंताक्षरी खेलें। दुनियां को अपनी गर्मी से इतना गर्म न करें कि दुनियां आपकी आलोचनाओं भरी बातों को जगह-जगह चाय-पानी की तरह परोसती घूमें। ऐसे ही एक रोज़ पत्नी अपने पति से बोली कि एक ठंडा-ठंडा, कूल-कूल पाउडर का डिब्बा लाकर दीजिए। पति बोला- पिछले सप्ताह तो लाकर दिया था। पाउडर लगाती हो या पड़ोसी को दान कर देती हो। पत्नी तिलमिलाती हुई बोली-मुझ पर क्यों भड़क रहे हो। पाउडर त्वचा पर लगाती हूं टिकता ही नहीं। भड़कना ही है तो बिजली वालों और उस विधाता पर भड़कों जो आसमान से गर्मी की मिसाइलें चलाकर संसार के प्रत्येक दिमाग़ को गर्मागर्म कर रहा है।

मोटिवेशनल

टाइम मैनेजमेंट में मास्टर बनें

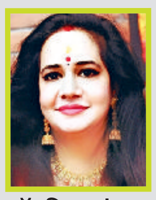

डॉ. दिव्या तंवर

मोटिवेशनल स्पीकर

कल्पना करो कि फोन उठाया "बस पांच मिनट" नोटिफिकेशन चेक करने के लिए, और अचानक दो घंटे निकल गए। परिचित लग रहा है ना? तुम अकेले नहीं हो। आजकल छात्र औसतन 4.8 घंटे रोज सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर बिताते हैं यानी हफ्ते में 35 घंटे से ज्यादा! इतना समय किसी नई स्किल सीखने, एग्जाम में टॉप करने या अपना सपना पूरा करने के लिए काफी है। सबसे अच्छी बात यह है कि सोशल मीडिया समय का चोर नहीं, बल्कि तुम्हारा सबसे स्मार्ट टीचर बन सकता है, बस तुम्हें इसे सही तरीके से इस्तेमाल करना है। यह फोन छोड़ने की बात नहीं है, बल्कि इसे सुपरपावर बनाने की बात है। तैयार हो? चलो शुरू करते हैं।

1. अपना समय ऑडिट करो (आँखें खोलने वाला कदम)

फोन में स्क्रीन टाइम चेक करो। ईमानदारी से देखो। ज्यादातर छात्र हैरान रह जाते हैं। चुनौती: रोज सिर्फ 30 मिनट माइंडलेस स्क्रोलिंग कम करो। हफ्ते में 3.5 घंटे एक्स्ट्रा मिल जाएंगे सीखने के लिए!

2. अपना फीड प्रोफेशनल तरीके से क्यूरेट करो

उन अकाउंट्स को अनफॉलो करो जो एनर्जी खाते हैं या तुलना का भाव जगाते हैं। फॉलो करो:

3. "लर्निंग स्क्रोल" का समय तय करो

टाइम-ब्लॉकिंग यूज करो:

- 25 मिनट पढ़ाई (पोमोडोरो) → 5 मिनट लर्निंग अकाउंट पर स्क्रोल
- या रोज शाम 30 मिनट "माइक्रो-लर्निंग" के लिए रखो — एक नया कॉन्सेप्ट, एक स्किल वीडियो।

4. देखना नहीं, करना सीखो

सिर्फ वीडियो मत देखो, एक्शन लो। पब्लिक स्पीकिंग का वीडियो देखा? खुद रिकॉर्ड करके प्रैक्टिस करो। कोडिंग ट्यूटोरियल देखा? छोटा प्रोजेक्ट बनाओ। नोट्स लिखो और किसी दोस्त को सिखाओ। इससे सीखना मजबूत होती है।

5. साफ लक्ष्य रखो और प्रोग्रेस ट्रैक करो

हर रविवार तय करो: "इस हफ्ते डिजिटल मीडिया पर मैं सीखूंगाड्ड" (जैसे कंपाउंड इंटरेस्ट या बेसिक पाइथन)। हफ्ते के अंत में जो सीखा, उसे सेलिब्रेट करो। प्रोग्रेस देखना बहुत मोटिवेट करता है।

6. बैलेंस सबसे जरूरी है

डिजिटल डिटॉक्स का समय रखो -सोने से एक घंटा पहले या खाने के समय। बाहर घूमो, दोस्तों से मिलो, एक्सरसाइज करो। सबसे सफल छात्र जानते हैं कि कब लॉग ऑफ करना है।

लघु कथा

अपनापन

डॉ. अंजना गर्ग

कहानीकार

वृद्धाश्रम बहुत शानदार था। एसी कमरे, टीवी, डॉक्टर, नर्स, गार्डन... सब कुछ।

बस एक चीज नहीं थी—"अपनापन।"

रात के खाने के बाद बुजुर्ग अपने बच्चों की बातें कर रहे थे।

"मेरा बेटा लंदन में है..."

"मेरी बेटी ऑस्ट्रेलिया में डॉक्टर है..."

हर परिचय उपलब्धियों से शुरू होता और आँखों की नमी पर खत्म।

एक बुजुर्ग रमेश रोज शाम को वहाँ आते थे। किसी कमरे में नहीं जाते थे, बस गेट के पास बैठे बुजुर्ग मुकेश के साथ घंटों बातें करते।

घुमंतू ने रमेश जी से पूछा—"आप यहाँ तो नहीं रहते न ......"

वो मुस्कराए—"नहीं, मेरा घर पास में ही है।"

"फिर भी रोज इस वृद्धाश्रम में आते हैं?"

उन्होंने गेट की ओर टकटकी लगाए बैठे अपने दोस्त मुकेश को देखा और धीमे से बोले—

"इसका बेटा अमेरिका में है। पहले हर हफ्ते फोन करता था... फिर हर महीने.. अब कभी-कभी।

लेकिन ये आज भी हर शाम गेट की तरफ देखता है। इसे लगता है शायद आज बेटा अचानक सामने आ जाए। बस... इसलिए मैं रोज आ जाता हूँ। कम से कम मेरा दोस्त इंतजार अकेले तो न करे।"

घुमंतू ने वृद्धाश्रम की चमकती दीवारों को देखा और सोचा

- सुविधाएँ इंसान को आराम दे सकती हैं, लेकिन किसी अपने की कमी...पूरी नहीं कर सकती।

कुछ हटकर

जीवनरक्षक प्रोफेशनल करियर बी.एससी. मेडिकल टेक्नोलॉजी

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

आज के बदलते लाइफस्टाइल, डायबिटीज़, हाई ब्लड प्रेशर, अनियमित खान-पान और तनाव के कारण किडनी से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। हर वर्ष देश में लाखों नए मरीज डायलिसिस पर निर्भर हो रहे हैं। सरकारी और निजी स्तर पर डायलिसिस सेंटर्स की संख्या में निरंतर वृद्धि हो रही है। ऐसे में डायलिसिस प्रक्रिया को सुरक्षित, प्रभावी और मानवीय तरीके से संचालित करने वाले प्रशिक्षित डायलिसिस टेक्नोलॉजिस्ट्स की मांग अभूतपूर्व रूप से बढ़ रही है। बी.एससी. मेडिकल टेक्नोलॉजी एक ऐसा हेल्थकेयर कोर्स है, जो जीवन बचाने की प्रक्रिया का अहम हिस्सा बनने का अवसर भी प्रदान करता है।

डायलिसिस टेक्नोलॉजिस्ट

डायलिसिस टेक्नोलॉजिस्ट एक प्रशिक्षित एलाइड हेल्थ प्रोफेशनल होता है, जो किडनी फेल्योर से पीड़ित मरीजों के लिए डायलिसिस मशीन से रक्त शुद्धिकरण प्रक्रिया को संचालित करता है।

जिम्मेदारियां

- हेमोडायलिसिस एवं पेरिटोनियल डायलिसिस प्रक्रिया का संचालन
- डायलिसिस मशीन और वाटर ट्रीटमेंट सिस्टम का प्रबंधन
- मरीज की प्री-डायलिसिस और पोस्ट-डायलिसिस मॉनिटरिंग
- वास्कुलर एक्सेस की देखभाल संक्रमण नियंत्रण का पालन
- आपातकालीन स्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया
- मरीज और परिजनों को डायलिसिस से संबंधित परामर्श
- डायलिसिस रिकॉर्ड और डॉक्यूमेंटेशन का रख-रखाव

आवश्यक कौशल

इस कोर्स में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी का 12वीं कक्षा (**Physics**, **Chemistry**, **Biology**) न्यूनतम 50–55% अंकों के साथ उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। सरकारी संस्थानों में प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है।निजी संस्थानों में प्रवेश लेते समय **NCAHP** मान्यता, अस्पताल से संबद्धता और क्लिनिकल ट्रेनिंग सुविधा पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है।

सरकारी क्षेत्र में विकल्प

- सरकारी अस्पताल
- मेडिकल कॉलेज*
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
- राज्य एवं केंद्र सरकार की डायलिसिस योजनाएं

निजी क्षेत्र में विकल्प

- कॉर्पोरेट डायलिसिस चेन
- मल्टी-स्पेशियलिटी हॉस्पिटल्स
- मेडिकल डिवाइस एवं हेल्थकेयर कंपनियाँ

अनुभव के साथ इस क्षेत्र में स्थिर नौकरी, आकर्षक वेतन और सामाजिक सम्मान प्राप्त होता है।

विदेश में करियर की संभावनाएं

डायलिसिस टेक्नोलॉजी एक ग्लोबली डिमांडेड स्किल है। भारत में अनुभव प्राप्त करने के बाद छात्र निम्न देशों में अवसर तलाश सकते हैं: **खाड़ी देश** : यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा (ब्रिज कोर्स / लाइसेंसिंग के बाद) अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डायलिसिस टेक्नोलॉजिस्ट्स की भारी मांग है, विशेषकर अनुभवी प्रोफेशनल्स के लिए।

बी.एससी. मेडिकल टेक्नोलॉजी (डायलिसिस थैरेपी टेक्नोलॉजी) एक ऐसा करियर है जो सेवा, तकनीकी दक्षता और मानवता: तीनों को एक साथ जोड़ता है।

खबर संक्षेप

सिहोर में कन्या जन्म पर किया कुआं पूजन

नारनौल। कनीना उपमंडल के गांव सिहोर में मास्टर नौबत सिंह पुत्र कप्तान घीसाराम के परिवार में कन्या जन्म पर कुआं पूजन कर खुशियां मनाई गई। प्रमुख समाजसेवी नेताजी अतरलाल एडवोकेट ने नवजात कन्या वर्णिका की माता मोनिका व पिता मनीष यादव को प्रशस्ति पत्र तथा स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि परिवार ने कन्या वर्णिका का कुआं पूजन कर समाज के लिए प्रेरणादायक कार्य किया है।

मिट्टी व पानी की जांच कर बिजाई करना उचित

मंडी अटेली। खण्ड के गांव राजपुरा में ग्वार फसल व फलदार पौधे लगाने पर कृषि विभाग अटेली के तत्वावधान में ग्वार विशेषज्ञ डॉ बीडी यादव के सहयोग से ग्वार फसल की पैदावार बढ़ाने व बागवानी को अपनाकर खुद को समृद्ध बनाने पर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। किसानों को बीज उपचार के लिए दो एकड़ की वेबिस्टिन दवा शिविर में तथा एक जोड़ी दस्ताने हिंदुस्तान गम एण्ड केमिकल्स भिवानी की तरफ से मुफ्त दी गई। कृषि गोष्ठी में जिला बागवानी अधिकारी डॉ. प्रेम यादव मुख्य अतिथि रहे।

स्वच्छ भारत-स्वच्छ रेलवे स्टेशन अभियान चलाया

दैनिक रेलयात्री मंच ने सौंपा ज्ञापन चंडीगढ़-बांद्रा का संचालन हो प्रतिदिन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नारनौल

साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया तथा कई पौधे लगाए गए।

नारनौल। रेलवे स्टेशन पर सफाई अभियान चलाते संघ के सदस्य व स्टेशन अधीक्षक को ज्ञापन सौंपते संघ के सदस्य।

दैनिक रेलयात्री जागरूक मंच के तत्वावधान में रेलवे स्टेशन परिसर में स्वच्छ भारत-स्वच्छ रेलवे स्टेशन अभियान के तहत पौधारोपण व साफ-सफाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मंच के पदाधिकारियों, सदस्यों व स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्टेशन परिसर में पौधारोपण किया और स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को पर्यावरण संरक्षण व स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मंच के अध्यक्ष अशोक कटारिया ने कहा कि लगातार बढ़ती गर्मी व तेजी से कटते पेड़ों के कारण पर्यावरण संतुलन बिगड़ता जा रहा है। ऐसे समय में समाज के प्रत्येक व्यक्ति का कर्तव्य बनता है कि वह पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आए। उन्होंने कहा कि पौधारोपण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य देने का माध्यम है। उन्होंने यात्रियों व नागरिकों से रेलवे स्टेशन सहित सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने तथा अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। मंच उपाध्यक्ष महेश बाखलिया ने बताया कि मंच की ओर से स्टेशन अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा गया। जिसमें चंडीगढ़-बांद्रा एक्सप्रेस गाड़ी संख्या 22451/52 को सप्ताह में केवल दो दिन चलाने के बजाय प्रतिदिन संचालित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ हरियाणा की राजधानी होने के बावजूद नारनौल-अटेली क्षेत्र के लोगों के लिए वहां पहुंचने की पर्याप्त रेल सुविधा उपलब्ध नहीं है। इससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ब्रॉड गेज लाइन शुरू होने के बाद से यह ट्रेन केवल सप्ताह में दो दिन ही चलाई जा रही है, जबकि लंबे समय से यात्री इसके नियमित संचालन की मांग कर रहे हैं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर पवन कुमार, जीतू कोहली, विनोद वर्मा, महावीर कुमार, प्रदीप सिंह, मनीष, सतीश, अजय, सक्षम, खुशखू व धर्मेंद्र सैनी सहित मंच के अनेक सदस्य व स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर रेलवे स्टेशन को स्वच्छ व हराभरा बनाने का संकल्प लिया।

रेलवे लोगों के लिए किफायती यातायात साधन

मंच के सदस्यों ने कहा कि नारनौल-अटेली क्षेत्र दक्षिण हरियाणा का पिछड़ा इलाका माना जाता है और राजधानी चंडीगढ़ से इसकी दूरी भी अधिक है। ऐसे में रेलवे ही यहां के लोगों के लिए सबसे सुविधाजनक और किफायती यातायात साधन है। उन्होंने रेलवे बोर्ड से मांग करते हुए कहा कि यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए चंडीगढ़-बांद्रा एक्सप्रेस को प्रतिदिन चलाया जाए, ताकि क्षेत्र के लोगों को राहत मिल सके।

महेंद्रगढ़। बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

बुचौली में 10वीं-12वीं के मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▸▸ महेंद्रगढ़

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बुचौली में प्राचार्य धर्मवीर सिंह की अध्यक्षता में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सरपंच अलका यादव, समाजसेवी मुकेश चौहान, डॉ. बीआर अंबेडकर समिति प्रधान जयसिंह मेहरा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता ममता देवी व मनोज कुमार ने बताया कि इस वर्ष हरियाणा बोर्ड की कक्षा 10वीं व 12वीं का परीक्षा परिणाम बड़ा शानदार रहा है, विद्यालय की कक्षा 10 के चार विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त किए और सभी विद्यार्थी प्रथम डिविजन से पास हुए है। वहीं कक्षा 12वीं में दो विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं एवं सभी विद्यार्थियों ने प्रथम डिविजन से प्राप्त किया है। शनिवार को वार्षिक परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 10वीं के चार और 12वीं के दो विद्यार्थियों को प्राचार्य धर्मवीर सिंह ने स्मृति चिन्ह एवं सभी को 500 रुपये नकद राशि देकर सम्मानित किया।

वहीं सरपंच अलका यादव, समाजसेवी अरविंद मोहन उर्फ सोनू ने दसवीं के चार टॉपर बच्चे एवं 12वीं के दो टॉपर बच्चों को फ्रेम भेटकर सम्मान किया।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में प्रवक्ता बबीता, ममता, अनीता, सुजाता, ज्योति डीपीई, पाला राम, कर्मबीर, राकेश, मनोज, जितेंद्र डुलाना, पुष्पा कम्प्यूटर टीचर, दीपक तंवर, अपूर्णा, जितेंद्र पायला, नरेश उपस्थित रहे।

अर्जुन स्कूल नापला का परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत

हरिभूमि न्यूज ▸▸ निजामपुर

निजामपुर। मेधावी प्रतिभाओं को सम्मानित करते चेयरमैन सत्यपाल भालोठिया।

अर्जुन पब्लिक स्कूल नापला का बोर्ड परीक्षा परिणाम शानदार रहा है। स्कूल प्रबंधन कमेटी ने रैली निकालकर मेधावी प्रतिभाओं का अभिनंदन किया। साथ ही अभिभावकों को सम्मानित करके बधाई प्रेषित की। स्कूल के चेयरमैन सत्यपाल भालोठिया ने बताया कि विद्यालय की छात्रा पायल ने 470 अंक प्राप्त कर स्कूल टॉपर बनने का गौरव हासिल किया। वहीं कुमारी जूली ने 453 अंक व रोशनी ने 452 अंक प्राप्त कर दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा वंशीका व अंशु ने 440 अंक, हिना ने 434 अंक, हर्ष ने 431 अंक, कृष ने 428 अंक तथा रितिक ने 427 अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। इस अवसर पर सभी मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता उनकी कड़ी मेहनत, शिक्षकों के समर्पित मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। विद्यालय परिवार ने सभी सफल विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

रोटरी क्लब बेलाज व सिटी ने पक्षियों के लिए रखे सकोरे

नारनौल। प्रचंड गर्मी व तेज धूप को देखते हुए रोटरी क्लब बेलाज व सिटी ने बेजुबान पंछियों के लिए जल सेवा का अभियान शुरू किया है। क्लब की ओर से राव बंशीसिंह पार्क, जल महल परिसर व मोड़ावाला मंदिर सहित शहर के प्रमुख स्थानों पर मिट्टी के सकोरे रखवाए गए, ताकि पक्षियों को शुद्ध व ठंडा पानी मिल सके। रोटरी क्लब बेलाज की प्रधान निर्मल जिंदल ने बताया कि गर्मी के मौसम में पक्षियों के लिए पानी व छाया मिलना मुश्किल हो जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए यह सकोरे लगाए गए हैं। प्रोजेक्ट इंचार्ज सत्यभामा मित्तल ने बताया कि भविष्य में भी पर्यावरण, जीव सेवा व सामाजिक कल्याण से जुड़े कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाएंगे। इस मौके पर निर्मल जिंदल, डॉ. उषा यादव, संगीता शर्मा, नीलम चौधरी, महक शुक्ला, प्रियंका संघी, गीतांजलि चौधरी, सुचेता गोगिया, इंदु गुप्ता, मोनिका गुप्ता, विनय अग्रवाल, पूजा गर्ग, गीता गोयल, ममता गोयल, बबीता गोगिया, पूनम चौधरी, सत्यभामा मित्तल आदि उपस्थित रहे।

जांजड़ियावास में लगाया मेला व भंडारा

हरिभूमि न्यूज ▸▸ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विजेता टीम को सम्मानित करते हुए।

गांव जांजड़ियावास के दादी सती माता मंदिर में अमावस्या पर भंडारे व मेले का आयोजन मेला प्रबंधक कमेटी व समस्त ग्रामीणों के सहयोग से बड़ी धूमधाम से किया। कमेटी प्रधान सूबेदार राम अवतार ने बताया कि रात्रि में स्थानीय कलाकारों द्वारा जागरण में दादी सती माता की महिमा का गुणगान किया तथा प्रातः मंत्रोचारण के साथ हवन यज्ञ किया तथा प्रसाद वितरण किया गया। भंडारे में ग्रामीणों सहित आसपास के लोगों ने मंदिर परिसर में प्रसाद ग्रहण कर माता का आशीर्वाद लिया। कमेटी प्रधान ने बताया कि मेले में महिलाओं ने खरीददारी की तथा बच्चों में झूलों का खूब आनन्द उठाया। ग्रामीण साथियों द्वारा गर्मी को देखते हुए राहगीरों को शीतल कोल्ड ड्रिंक पिलाई गई।

रात्रि जागरण में मनोज जांगड़ा ने गणेश वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत की, ऋषिपाल ने दादी सती के धाम पर गूंज रहे जयकारे भजन गाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया, संदीप निराला ने दादी मोरी लागी लगन मत तोड़ना भजनों द्वारा श्रोताओं को नाचने पर मजबूर कर दिया। कलाकार भूप सिंह लोहार ने जय हो मात तुम्हारी शेरा वाली गाकर माता की महिमा का गुणगान किया। कार्यक्रम में विधायक कंवर सिंह यादव, पार्षद देवेंद्र खातोद तथा ब्लॉक समिति प्रधान विजय लक्ष्मी ने शिरकत की।

उन्होंने अपने संबोधन में कहा की ग्रामीण मेले गांव की संस्कृति एवं परंपरा को बनाए रखते हैं। देर रात तक चली वॉलीबॉल शूटिंग प्रतियोगिता में गोहाना की टीम प्रथम तथा आलियावास रेवाड़ी की टीम दूसरे स्थान पर रही। विजेता टीम को मेला कमेटी की तरफ से नकद ईमाम क्रमशः 21000 व 15000 रुपये तथा ट्रॉफी भेंट कर सम्मानित किया गया।

विजय इंटरनेशनल स्कूल में पीटीएम और विज्ञान प्रदर्शनी

महेंद्रगढ़। विजय इंटरनेशनल स्कूल बलाना में गत दिवस अभिभावक-शिक्षक बैठक तथा विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नर्सरी से 12वीं कक्षा तक के अभिभावकों ने भाग लिया। विद्यालय चेयरमैन विजय यादव टूमना ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन का मुख्य उद्देश्य अभिभावकों तथा अध्यापकों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित कर बच्चों का समुचित व सर्वांगीण विकास करना है। प्रिंसिपल नत्थूसिंह ने कहा कि पीटीएम से शिक्षक और अभिभावक के बीच विश्वास का रिश्ता मजबूत होता है, जिससे अध्यापक बच्चे को सही दिशा में मार्गदर्शन दे पाता है। बच्चों ने विज्ञान के विभिन्न विषयों पर आकर्षक मॉडल बनाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अभिभावकों ने बच्चों के इनोवेटिव मॉडल्स की खूब सराहना की। विद्यालय सचिव महेंद्र सिंह ने कहा कि विद्यालय की व्यवस्था और बच्चों की प्रगति में अभिभावकों की भूमिका सबसे अहम होती है। स्कूल के अनुशासन, पढ़ाई के स्तर और शिक्षकों की मेहनत से अभिभावक काफी संतुष्ट व प्रसन्न नजर आए। कार्यक्रम के अंत में चेयरमैन विजय यादव टूमना ने सभी अभिभावकों का आभार व्यक्त किया और विद्यालय की आगामी शैक्षणिक रणनीति पर चर्चा की। इस अवसर पर चेयरमैन विजय यादव टूमना, सचिव महेंद्र सिंह, प्रिंसिपल नत्थू सिंह, वाइस प्रिंसिपल अशोक कुमार सहित समस्त स्टाफ, अभिभावक एवं क्षेत्र के लोग उपस्थित रहे।

महिला आत्मनिर्भरता को मिला नया आयाम, प्रमाण-पत्र वितरित किए

हरिभूमि न्यूज ▸▸ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। प्रमाण पत्र वितरित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

श्रीमती हस्ती देवी जनकल्याणार्थ समिति द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं स्वरोजगार के प्रति जागरूक बनाने के उद्देश्य से संचालित पार्लर एवं क्रोशिया प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल समापन पर ग्राम बवानिया में प्रमाण-पत्र वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रशिक्षण प्राप्त महिलाओं को प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी गईं। समिति अध्यक्षा डॉ. पवित्रा राव के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं को विभिन्न कौशलों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

इस अवसर पर डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि वर्तमान समय में महिलाओं का आत्मनिर्भर बनना अत्यंत आवश्यक है तथा कौशल आधारित शिक्षा ही उन्हें सशक्त एवं आत्मविश्वासी बनाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि समिति शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में निरंतर जनहितकारी कार्य कर रही है। समिति के प्रवक्ता मनोज यादव ने बताया कि समिति का उद्देश्य महिलाओं एवं युवाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें रोजगार के अवसरों से जोड़ना तथा आत्मनिर्भर बनाना है। भविष्य में भी समिति द्वारा ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। कार्यक्रम में ग्राम सरपंच पूजा यादव विशेष रूप से उपस्थित रहीं। सरपंच द्वारा डॉ. पवित्रा राव के सामाजिक एवं महिला उत्थान के कार्यों की सराहना करते हुए कहा गया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणादायक एवं लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। इस अवसर पर ट्रेनर अंकिता सिंह, अनुराधा, सुमन, सुनीता, अन्नू, उर्मिला देवी, अजीत यादव सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

सड़क निर्माण में जल निकासी को प्राथमिकता देने की मांग

मंडी अटेली। पंचायत समिति सिहमा के चेयरपर्सन प्रतिनिधि राजकुमार यादव दौंगड़ा अहीर ने एक प्रेस नोट जारी कर नारनौल-कनीना पीडब्ल्यूडी सड़क के नवनिर्माण कार्य में जल निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि यह सड़क क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग है, जिससे अनेक गांवों के लोग प्रतिदिन आवागमन करते हैं और व्यापारिक गतिविधियां भी इसी मार्ग पर निर्भर हैं। राजकुमार यादव ने कहा कि सड़क निर्माण के दौरान केवल वर्तमान आवश्यकताओं को ध्यान में रखना पर्याप्त नहीं है, बल्कि भविष्य में बढ़ने वाली आबादी और कस्बा मार्केट के संभावित विस्तार को भी योजना में शामिल किया जाना चाहिए। यदि समय रहते जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं की गई, तो बरसात के मौसम में सड़क पर जलभराव की समस्या गंभीर रूप ले सकती है, जिससे आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि इस सड़क मार्ग पर दौंगड़ा अहीर, सिहमा, बेवल, खासपुर, खामपुरा सहित अन्य कई गांव बसे हुए हैं। इन गांवों के हजारों लोग प्रतिदिन इसी सड़क का उपयोग करते हैं। ऐसे में यदि सड़क पर पानी भरता है।

परीक्षा में शानदार सफलता प्राप्त प्रतिभाओं का किया सम्मान

महेंद्रगढ़। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी एवं केंद्रीय विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षा में 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में गांव सिसोठ के पंचायत घर में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच वीरेन्द्र सिंह (विक्की) एवं ममाज टीम सदस्य मुकेश चौहान ने संयुक्त रूप से की। मंच संचालन मा. अनिल सिसोठिया व मैनेजर प्रवीण यादव ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत में सरपंच ग्राम पंचायत के सिसोठ के सदस्य एवं ममाज टीम सदस्यों एवं गांव के गणमान्य लोगों ने बोर्ड परीक्षा में शानदार परीक्षा पाने वाले सभी 17 विद्यार्थियों को फूलमाला पहनाकर व स्मृति चिन्ह व 500 रुपये नकद राशि देकर उनका सम्मान किया एवं उनको बधाई देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इसके साथ-साथ इन प्रतिभाशाली बच्चों के अभिभावकों को भी फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रधान शमशेर सिंह, सूबेदार सतबीर सिंह, मा. नित्यानंद, देशराम, हरिराम चौहान, प्रधान संदीप यादव, धीरेपाल फौजी, सूरत सिंह चेयरमैन, रणबीर सिंह, रजनीश, शिव कुमार, मुकेश यादव, ओमप्रकाश, जगदीश, सोमवीर पंच, रणजीत, दीपक, सीताराम पंच, सतेंद्र पंच, अजित पंच, करन सिंह फौजी, कृष्ण, राजबीर, परमिंद्र, मनफूल, उमेश, मीना पंच, पूर्व सरपंच केला देवी, लक्ष्मी उपस्थित रहीं।

महेंद्रगढ़ से कनीना सड़क को सात से दस मीटर चौड़ा करने के लिए सांसद ने लिखा पत्र

महेंद्रगढ़। महेंद्रगढ़ से कनीना सड़क को सात मीटर से 10 मीटर चौड़ा करने के लिए सांसद धर्मबीर सिंह ने हरियाणा के मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। इस बारे में अधिक जानकारी देते हुए विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने बताया कि महेंद्रगढ़ से कनीना की सड़क जिसकी रोड आईडी 8414 है। इसकी कुल लम्बाई लगभग 17 किलोमीटर है। इसमें से महेंद्रगढ़ के रिवासा फ्लाईओवर तक का लगभग तीन किलोमीटर का हिस्सा पहले से ही 10 मीटर चौड़ा है। इसी प्रकार कनीना से रेवाड़ी का हिस्सा भी 10 मीटर चौड़ा बनाया हुआ है। ऐसे में महेंद्रगढ़ से रेवाड़ी को जोड़ने वाले इस 14 किलोमीटर की सड़क पर यातायात का भारी दबाव होने की वजह से दुर्घटना का डर बना रहता है। 14 किलोमीटर के इस हिस्से पर दुर्घटना होती रहती है, जिससे जान माल का नुकसान होता है। इसी को ध्यान में सांसद धर्मबीर सिंह ने हरियाणा के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर निवेदन किया है कि जब तक केन्द्र सरकार की तरफ से रेवाड़ी-तोशाम फोरलेन प्रोजेक्ट पर कार्य नहीं शुरू होता है, तब तक यातायात के दबाव को देखते हुए महेंद्रगढ़ कनीना के इस 14 किलोमीटर के टुकड़े को 7 मीटर से बढ़ाकर 10 मीटर किया जाए। अपने पत्र में सांसद ने लिखा है कि सतनाली, महेंद्रगढ़ एवं कनीना के लगभग 75 गांवों को यही सड़क रेवाड़ी-दिल्ली से जोड़ती है तथा 152 डी के रास्ते अपने निजी वाहन से चंडीगढ़ जाने वाले लोग 152 डी तक पहुंचने के लिए भी इसी सड़क का इस्तेमाल करते हैं। इसके साथ-साथ कोसली व रेवाड़ी क्षेत्र के भी दर्जनों गांव के लोग कनीना के रास्ते होते हुए इसी सड़क से 152 डी हाईवे पर पहुंचते हैं। कनीना से रेवाड़ी का हिस्सा पहले ही 10 मीटर चौड़ा बनाया जा चुका है। यातायात के दबाव को ध्यान में रखते हुए आमजन के जान-माल की सुरक्षा के मद्देनजर इस हिस्से को भी 10 मीटर चौड़ा बनाया जाए।

मंदिर में कई हजार श्रद्धालुओं ने परिसर की परिक्रमा कर बाबा का प्रसाद ग्रहण किया

बाबा जांट वाले मंदिर में रोट व हवन में उमड़े श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ▸▸ मंडी अटेली

मंडी अटेली। सिहमा में बाबा जांट वाले में हवन यज्ञ में आहुति डालते हुए।

खंड सिहमा कि बणी में बाबा जांट वाले का रविवार को रोट एवं हवन यज्ञ हर्षोल्लास व उत्साह पूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस दौरान मंदिर में कई हजार श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर की परिक्रमा कर बाबा का प्रसाद ग्रहण किया। इस चिलचिलाती धूप में ग्रामीणों ने गर्मी को ध्यान में रखते हुए विशेष प्रबंध किए हुए थे। ग्रामीणों ने बताया कि करीब 150 वर्ष पूर्व यहां एक छोटा प्राचीन ठाकुर मंदिर था। उसमें एक शीतल दास नाम का महाराज यहां पर आया था। उसने इस छोटे से मंदिर में एक जांटी का पेड़ लगाया था। उसी पेड़ के नीचे वह तपस्या करता था। तब उसका नाम जांट वाला बाबा के नाम प्रसिद्ध हो गया था। उस समय एक दिन बाबा शीतल दास महाराज हवन यज्ञ कर रहा था। तब उसकी धुआं महेंद्रगढ़ के राजा महेंद्र सिंह के महल में प्रवेश कर गई थी। तब वहां के राजा महेंद्र सिंह ने अपने सिपाहियों से कहा कि पता करो, यह धुआं कहां से आ रही है। तब उसके सिपाहियों ने पता किया कि यह धुआं जांट वाला महाराज की हवन यज्ञ से आ रही है। तब राजा महेंद्र सिंह ने बाबा जांट वाला के मंदिर परिसर में स्वयं आकर देखा। उस समय राजा महेंद्र सिंह शीतल दास महाराज के सामने हाथ जोड़कर उसके सामने नतमस्तक हो गया। बताया जाता है कि बाबा जांट वाला मंदिर में हवन यज्ञ करने के बाद बाबा को प्रसाद चढ़ाया जाता है। उसके बाद आए हुए मंदिर में सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण करने के बाद उसी दिन शाम के समय बारिश शुरू हो जाती है। उस समय से अब तक सिहमा की बणी में स्थित यह मंदिर कि व्यवस्था ग्राम पंचायत सिहमा का इसमें विशेष योगदान रहता है। आज इस मंदिर में एक हाल, तीन नए कमरे, पीने की पानी की अच्छी व्यवस्था, बैठने के लिए सीमेंट से बनी हुई कुर्सियों के अलावा अनेक प्रकार की उचित व्यवस्था की गई हुई है।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर बाबा खेतानाथ मंदिर के महंत ऐतवार नाथ, पूर्व सरपंच सुबेसिंह, पूर्व सरपंच नरेश यादव, अटाली के सरपंच जीतपाल, सरपंच प्रतिनिधि प्रमोद यादव, विनोद यादव, देवीलाल, ओमप्रकाश, लक्ष्मी नारायण, विद्या रतन, बीरेंद्र सिंह, वेदप्रकाश, गजराज, हवा सिंह, नीरज कुमार व अनूप कुमार के अलावा बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित थी।

सनराइज स्कूल का परीक्षा परिणाम रहा शानदार

नांगल चौधरी। हरियाणा शिक्षा बोर्ड की ओर से घोषित नतीजों में सनराइज सीनियर सेकेंडरी स्कूल का प्रदर्शन शानदार रहा है। विद्यालय की प्रबंधन कमेटी ने मेधावी प्रतिभाओं को स्मृति चिह्न देकर प्रोत्साहित किया। प्राचार्य महेंद्र शर्मा ने बताया कि विद्यालय की छात्रा एकता पटेल ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल में प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं नैंसी ने भी 93 प्रतिशत अंक लेकर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। छात्र हर्ष कुमार ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त किए, जबकि आरुषि राव ने 90 प्रतिशत अंक हासिल कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। इसके अलावा इशांत सिंह ने 88 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शानदार सफलता दर्ज की। विद्यालय के 40 विद्यार्थियों में से 20 विद्यार्थियों ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए, जो विद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और विद्यार्थियों की मेहनत को दर्शाता है। प्रबंधन ने अभिभावकों व शिक्षकों का भी आभार व्यक्त किया।

यादव धर्मशाला में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर एवं आमसभा आयोजित

महेंद्रगढ़। यादव धर्मशाला के सभागार में यादव सभा के तत्वाधान में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉ. असीम यादव एवं उनकी टीम ने हृदय रोग तथा महिलाओं से संबंधित बीमारियों के लगभग 50 मरीजों का स्वास्थ्य जांच की और आवश्यक परामर्श दिया। कार्यक्रम के दौरान यादव सभा के कार्यकारिणी डॉ. राजबीर यादव एवं उनकी टीम ने डॉ. असीम यादव व उनकी टीम का धन्यवाद करते हुए स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर यादव सभा के पूर्व प्रधान एडवोकेट अमरराम यादव, पूर्व प्रधान संजय शर्मा, पूर्व उपप्रधान महावीर सिंह डीपीई, पूर्व खजांची जगदीश प्रसाद, हरिसिंह यादव, धर्मचंद सिंह डीएसपी, प्रताप सिंह सिवाच डीएसपी, चेयरमैन सतपाल यादव, रोहताश सिंह, महावीर सिंह यादव, मलखान सिंह सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इसके उपरांत यादव सभा की आम सभा की बैठक यादव धर्मशाला सभागार में पूर्व प्रधान राव रामकुमार की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में यादव सभा के निष्पक्ष एवं निर्विरोध चुनाव संपन्न करवाने के उद्देश्य से 15 सदस्यीय समिति का गठन किया गया। समिति को चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सर्वसम्मति से संपन्न करवाने की जिम्मेदारी सौंपी गई। सभा में सभी सदस्यों ने आपसी भाईचारे एवं सहमति के साथ चुनाव कराने पर बल दिया।

समय पर काम करने वाले प्रगणक होंगे सम्मानित, जनगणना कार्य में ढिलाई पर संबंधित पर होगी कड़ी कार्रवाई : उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

■ जनगणना 2027 को लेकर सीएस ने डीसी के साथ की वीसी

उपायुक्त अनुपमा अंजलि ने जिले में चल रहे जनगणना 2027 के प्रथम चरण के तहत मकान सूचीकरण (हाउस लिस्टिंग) कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के सख्त निर्देश दिए हैं। उन्होंने कड़े शब्दों में कहा है कि इस राष्ट्रीय महत्व के कार्य में किसी भी स्तर पर लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी संबंधित अधिकारी आगामी 30 मई तक शत प्रतिशत कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित करें। रविवार को हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के बाद आयोजित समीक्षा बैठक में उपायुक्त ने अधिकारियों को आवश्यक दिशानिर्देश जारी किए। बैठक के दौरान उन्होंने कहा कि जो प्रगणक (इन्यूमरेटर) निर्धारित समय से पहले और पूरी सटीकता के साथ अपना कार्य पूरा करेंगे, उन्हें प्रशासन की ओर से प्रशस्ति पत्र देकर सार्वजनिक रूप से सम्मानित किया जाएगा। दूसरी ओर कार्य में कोताही बरतने या लापरवाही करने वालों के खिलाफ भारत की जनगणना अधिनियम 1948 एवं जनगणना नियम 1990 की धारा 11 के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उपायुक्त ने जिले के आंकड़ों पर बात करते हुए बताया कि महेंद्रगढ़ जिले में सुचारू संचालन के लिए कुल 1715 ब्लॉक बनाए गए हैं, जिनमें फिलहाल सर्वे का कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि सर्वे कार्य में जहां कहीं भी तकनीकी रूप से कोई परेशानी आ रही है, उसे तुरंत दुरुस्त करते हुए काम में तेजी लाई जाए, और जिन प्रगणकों ने अपना फील्ड वर्क पूरा कर लिया है, वे बिना किसी देरी के अपने सर्कल सुपरवाइजर को इसकी सूचना दें।

सही व सटीक जानकारी दर्ज होना अत्यंत आवश्यक

बैठक में जनगणना के दूरगामी महत्व को रेखांकित करते हुए डीसी ने कहा कि जनगणना केवल आंकड़े जुटाने की एक सामान्य प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह देश और राज्य की सामाजिक, आर्थिक एवं जनसंख्या संबंधी स्थिति का एक व्यापक व प्रामाणिक दस्तावेज है। जिसके आधार पर ही भविष्य में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल, आवास, रोजगार तथा अन्य तमाम जनकल्याणकारी योजनाओं की रूपरेखा तैयार की जाती है। ऐसे में प्रत्येक परिवार और व्यक्ति की सही व सटीक जानकारी दर्ज होना अत्यंत आवश्यक है।

आमजन समझे राष्ट्रीय कार्य का महत्व

उन्होंने चार्ज अधिकारियों एवं सर्कल सुपरवाइजर्स को नियमित रूप से फील्ड निरीक्षण करने और पूरी पारदर्शिता के साथ आंकड़ों का संग्रहण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जनगणना के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए एक व्यापक अभियान चलाने की बात कही, ताकि लोग इस राष्ट्रीय कार्य के महत्व को समझकर प्रगणकों को सही जानकारी उपलब्ध करवाएं। जिससे सरकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्रों तक पहुंचाया जा सके।

बैठक में ये अधिकारी मौजूद रहे

इस समीक्षा बैठक में एसडीएम अनिरुद्ध यादव, एसडीएम महेंद्रगढ़ योगेश सैनी, एसडीएम कनीना डॉ. जितेंद्र सिंह, एसडीएम नांगल चौधरी उदय सिंह तथा सीटीएम डॉ. मंगल सेन के अलावा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

नीरपुर राजपूत में 23 को स्वास्थ्य शिविर लगेगा

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव नीरपुर राजपूत स्थित शगुन वाटिका में 23 मई को निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में अनुभवी चिकित्सक मरीजों की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श देंगे। वाटिका के संचालक एवं शिविर आयोजक पूर्व चेयरमैन राजबीर सिंह चौहान ने बताया कि शिविर का उद्देश्य क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने जानकारी दी कि शिविर में फरीदाबाद की महिला दंत चिकित्सक डॉ. भारती छौकर, रेवाड़ी से डॉ. अजय कुमार तथा स्थानीय जनरल चिकित्सक अपनी सेवाएं देंगे।

कलश यात्रा से शुरू होगी श्रीमद्भागवत कथा

महेंद्रगढ़। शहर के रेलवे रोड पर स्थित मास्टर कॉलोनी के किशोरी कुंज में आगामी 21 मई से मनाए जा रहे श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञानोत्सव के दौरान कौशल्या देवी शिव मंदिर ट्रस्ट एवं कॉलोनी के समस्त भक्तों की ओर से सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा का आगाज 21 मई को एक भव्य कलश यात्रा से किया जाएगा। यह कलश यात्रा शिव मंदिर मास्टर कॉलोनी से चलकर कथा स्थल किशोरी कुंज पहुंचेगी। इस भव्य कलश यात्रा में जो महिलाएं कलश उठाकर शामिल होना चाहती हैं।

बिना आंधी व बारिश के शहर में बार-बार लग रहे बिजली कट

भीषण गर्मी में बिजली के अघोषित कटों ने बढ़ाई आमजन की परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

भीषण गर्मी में क्षेत्र में बिजली की समस्या गहरा गई है। बिना आंधी व बारिश के बार बार बिजली के कट लगाए जा रहे है। जिसके कारण गर्मी के मौसम में लोग परेशान हैं। वहीं शहर में भी बिना आंधी व बारिश के बिजली कट लग रहे हैं। सबसे ज्यादा बुरा हाल शहर के सिटी सिक्स, पुल बाजार फीडर का है। यहां पर रोजाना बिजली के लंबे लंबे कट लगरए जा रहे है। जिसके कारण दिन व रात लोग बिना बिजली के परेशानी उठानी पड़ रही है। सिटी सिक्स के रविदास मंदिर मार्ग निवासियों ने बताया कि रात को करीब 12 बजे बिजली का कट लगा। जिसके बाद लाइट कभी कम तो कभी तेज आई। लोगों ने बताया कि लाइट कभी कम आती है, तो कभी तेज। जिस कारण एसी व कूलर भी नहीं चल पाए। पंखे भी कभी तेज चलते तो कभी मंदे। बिजली उपकरण फूंक न जाएं, इसके लिए उन्होंने पंखों को भी बंद कर दिया। उन्होंने बताया कि इसकी शिकायत भी की गई, लेकिन निवारण नहीं हुआ। रात को 12 बजे व सुबह छह बजे निगम की ओर से जारी नंबरों पर शिकायत की गई, लेकिन सुबह तक कोई भी लाइनमैन इसको ठीक करने के लिए नहीं आया।

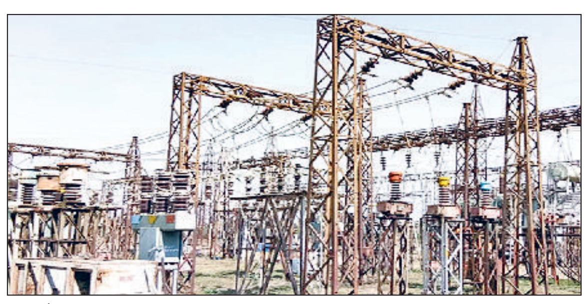

नारनौल। पावर हाउस। फाइल

फाल्ट से बिजली कटी

इस बारे में दक्षिणी हरियाणा बिजली वितरण निगम के एसडीओ मोहम्मद अजहरूद्दीन से बात की तो उन्होंने बताया कि लाइनमैन ने रात को भी एक बार सप्लाई ठीक कर दी थी, लेकिन बाद में फिर खराबी आ गई होगी। बढ़ते तापमान के कारण ट्रांसफार्मर में फॉल्ट आ जाता है, जिसकी वजह से यह परेशानी हुई है।

तापमान 42 डिग्री पार

मौसम विशेषज्ञ डॉ. चन्द्र मोहन ने बताया कि हरियाणा एनसीआर दिल्ली में लगातार पश्चिमी शुष्क हवाओं व सूर्य के तल्ख तेवरों से अधिकतर स्थानों पर दिन व रात के तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिली। रविवार को हरियाणा एनसीआर दिल्ली में अधिकतर स्थानों पर दिन का तापमान 40.0 डिग्री सेल्सियस व इससे अधिक रहा। हरियाणा एनसीआर दिल्ली में सर्वाधिक दिन का तापमान सिरसा 44.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि फरीदाबाद 43.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

नौतपा से पहले हाल-बेहाल सड़कों पर कम हुई आवाजाही

कनीना। ज्येष्ठ माह का शुक्ल पक्ष प्रारंभ होते ही लगातार बढ़ते तापमान से सामान्य जनजीवन प्रभावित होने लगा है। करीब 43 डिग्री सेल्सियस तापमान में लू के थपेड़ों से बचने के लिए आमजन की ओर से वैसे तो पूरी एहतियात बरती जा रही है। इसके बावजूद बिजली के बार बार कट लगने लगे हैं, पानी पीने के बाद भी हलक सूखने लगे हैं। तापमान बढ़ने से मशीनरी व इलेक्ट्रॉनिक उपकरण गर्म होने से आगजनी की संभावना भी बढ़ रही है। चिलचिलाती धूप तथा गर्मी के तीखे तेवरों का असर बेजुबान परिंदों व मवेशियों पर असर दिखाई देने लगा है। दुधारू पशुओं में दूध की मात्रा प्रभावित होने लगी है। अधिकांश गांवों में सूखे पड़े जोहड़ों के चलते जंगली जानवर पेयजल की तलाश में ईंधर उधर भटकने को मजबूर हैं। उनके जीवन पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। दोपहर के समय सड़कों से निकली आग की लपटों के वाहनों की गति पर ब्रेक लगने से सड़कें वीरान दिखाई देने लगी हैं। मौसम विभाग की ओर से आगामी सप्ताह भर प्रचंड गर्मी की संभावना जताई गई है। दूसरी ओर आगामी 25 मई से नौतपा शुरू होगा, जो दो जून तक रहेगा। हिंदू पंचांग का वह समय होता है, जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करता है, जिसके प्रभाव से लगातार नौ दिन तक प्रचंड गर्मी होती है व लू चलती है। बढ़ती गर्मी को लेकर जिला प्रशासन व स्वास्थ्य विभाग की ओर से एडवाइजरी जारी कर आमजन को सावधानी बरतने के लिए कहा गया है। उन्होंने कहा कि नागरिक अपने जरूरी समझे जाने वाले कार्य दोपहर की बजाय सुबह सायं करे। वहीं 11 बजे से सायं चार बजे तक घर में ही रहें। घर के नवजात बच्चों, बुजुर्गों व बीमारी लोगों का ध्यान रखें तथा उन्हें गर्मी से बचाएं। सूती तथा खुले कपड़े पहने तथा घर से बाहर निकलते समय सिर पर तौलिया, टोपी या छाता रखें। प्यास न होने पर भी बार बार पानी पिएं। घर का बना नींबू पानी, लस्सी व राबड़ी का सेवन करें। फास्ट फूड व तले हुए खाने से बचें। बिजली के उपकरणों व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी बरतें। बेजुबान परिंदों के लिए दाने, पानी की व्यवस्था करें। दुधारू पशुओं को भी गर्मी से बचाएं।

श्री अग्रवाल सभा बैठक में विभिन्न मुद्दों पर मंथन

नारनौल। श्री अग्रवाल सभा पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें सभा से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। बैठक में प्रधान प्रेमचंद गुप्ता, सचिव रवि गर्ग, उपप्रधान सूरज अग्रवाल, मंत्री कृष्ण कंछल व कोषाध्यक्ष प्रवीण बंसल उपस्थित रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि नए वोट बनाने व सदस्यों की केवाईसी प्रक्रिया का कार्य 20 मई से 19 जून तक किया जाएगा। यह कार्य प्रत्येक सोमवार से रविवार वार प्रातः 10 बजे से सायं चार बजे तक सभा कार्यालय में किया जाएगा। सभा पदाधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व में स्वीकृत सूची में से लगभग 3050 सदस्यों की केवाईसी स्वीकृत हो चुकी है। इसके अतिरिक्त जिन सदस्यों की केवाईसी किसी कारणवश पूर्ण/स्वीकृत नहीं हो पाई है, उन्हें पुनः केवाईसी करवाने का अंतिम अवसर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी संबंधित सदस्यों को सभा कार्यालय से 10 शुल्क देकर निर्धारित आवेदन फॉर्म प्राप्त करना होगा।

माजरा कलां, झूक व लावण में स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

महेंद्रगढ़। पीएचसी मालड़ा बास की मेडिकल ऑफिसर डॉ. पिंकी के मार्गदर्शन में शनिवार को उप स्वास्थ्य केंद्र माजरा के अधीन गांव माजरा कलां, झूक और लावण में स्वास्थ्य जागरूकता शिविर लगाए गए। शिविर में सीएचओ प्रदीप और स्वास्थ्य कर्मी अशोक देवनगर एवं महिला स्वास्थ्यकर्मी सुनीता ने ग्रामीणों को लिंगानुपात सुधार और कन्या भ्रूण हत्या रोकथाम के उपाय बताए। इस अवसर पर स्वास्थ्य कर्मी अशोक देवनगर ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओं और पीसीपीएनडीटी एक्ट की जानकारी देते हुए ग्रामीणों को शपथ दिलवाई। शिविर में माजरा कला की आशा वर्कर परमजीत, माया देवी, आशा वर्कर अशोक, रेखा, लावन की आशा वर्कर मुन्नी देवी, शीला और सुमन सहित सभी आंगनबाड़ी वर्कर हैल्पर व बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं व पुरुष उपस्थित रहे।

राजकीय विद्यालय डुलाना में बच्चों को डेंगू से बचने के टिप्स दिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय डुलाना में शनिवार को डेंगू दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य नीरज कुमार ने की, जबकि संचालन सतीश कुमार डीपीई ने किया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य कर्मी मुकेश चौहान और सोनू ने छात्रों को डेंगू के कारण, लक्षण और बचाव के उपाय बताए। उन्होंने घरों में पानी जमा न होने देने, कूलर-टंकी, कंटेनर, पानी के होद की साप्ताहिक सफाई, फ्रिज के वेस्टेज पानी की ट्रे की निरंतर सफाई करने, पानी के सकोरे की सफाई करने के बारे में बताया और घर के दरवाजे और खिड़कियों पर जाली लगवाने व मच्छरदानी के उपयोग पर जोर दिया। बुखार आने पर अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर रक्त की जांच करवाने और अपना पूर्ण इलाज लेने के बारे में बताया, उन्होंने बताया कि डेंगू एवं मलेरिया की जांच एवं दवाइयां सभी स्वास्थ्य संस्थाओं व सरकारी अस्पताल में निःशुल्क दी जाती है। इस अवसर पर प्रवक्ता सतपाल, मीनाक्षी, सुनीता, सरिता, निर्मला, नीरज, दुर्गा, आरती, टीजीटी सुनीता कुमारी, मोनिका, सुमेर सिंह, जेबीटी बबीता, वंदना, बिजेंद्र, अशोक एबीआरसी, अजित चौकीदार सहित आदि उपस्थित रहे।

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को जागरूक करते हुए। फोटो : हरिभूमि

प्रभात फेरी संगठन शहर में निकाली 195वीं प्रभात फेरी

नारनौल। प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को 195वीं प्रभात फेरी प्रेस गली से निकाली गई। सर्वप्रथम मुख्य यजमान अमित अग्रवाल, अमन अग्रवाल परिवार के सभी सदस्यों ने पवित्र ज्योति प्रज्ज्वलित की। संगठन के संचालक घनश्याम गर्ग ने बताया कि प्रभात फेरी मुख्य यजमान के निवास स्थान से आरंभ होकर पोस्ट ऑफिस गली, आजाद चौक, फूलों वाली गली, मानक चौक आदि विभिन्न मार्गों से होकर मुख्य यजमान के निवास पर संपन्न हुई। इससे पूर्व प्रभात में ठाकुर जी व युगल सरकार की आरती कर सभी को चंदन तिलक लगाया। यात्रा के दौरान महिलाएं, बच्चे व पुरुषों ने राधे राधे का जाप किया। संगठन महासचिव महेंद्र सैनी ने बताया कि श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर संगठन की ओर से आठ दिवसीय प्रभात फेरी का आयोजन किया जाएगा। संगठन कोषाध्यक्ष संजय सैनी ने बताया कि 24 मई की प्रभात फेरी मुख्य यजमान के निवास स्थान मोहल्ला पीरआगा से निकाली जाएगी।

प्रभात फेरी में गूंजा राधे नाम भक्ति रस में सराबोर हुआ शहर

मोहल्ला बावड़ीपुर में नवनिर्मित शिव मंदिर में उमड़े श्रद्धालु

नारनौल। श्री राधा कृष्ण प्रभात फेरी संगठन के तत्वावधान में रविवार को मोहल्ला बावड़ीपुर स्थित नवनिर्मित शिव मंदिर से 174वीं प्रभात फेरी का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। जहां सैकड़ों श्रद्धालुओं ने राधे राधे के जयकारों से पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। मंदिर परिसर में ठाकुर जी की आरती व पूजा.अर्चना के साथ प्रभात फेरी का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर भगवान शिव शंकर व माता पार्वती परिवार यजमान के रूप में उपस्थित रहे।

श्रद्धालुओं को चंदन तिलक लगाकर प्रभात फेरी में शामिल किया गया। प्रभात फेरी मंदिर से प्रारंभ होकर गुरुद्वारे के सामने से होती हुई मोहल्ला पीरआगा व बावड़ीपुर की गलियों से निकली और पुनः प्रारंभ स्थल पर पहुंचकर संपन्न हुई। राधा नाम संकीर्तन रथ के साथ भक्तजन भावविभोर होकर ठाकुर जी के चरणों में झूमते नजर आए। संस्था की ओर से आगामी रविवार को प्रभात फेरी का आयोजन रेलवे कॉलोनी में मनोज कुमार के निवास स्थान से किया जाएगा। अंत में राधे रानी, बांके बिहारी व महाकाल के जयकारों के साथ प्रभात फेरी का समापन हुआ।

नारनौल। प्रभात फेरी निकालते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

नहर में फेंकी मरी मुर्गियां, लोग नाराज

नारनौल। गांव खासपुर व खामपुर गांव के पास नहर के किलोमीटर 22.100 के पास नहर में मरी मुर्गियां फेंकने का मामला सामने आया है। सूचना मिलने पर सिंचाई विभाग ने इसे गंभीरता से लेते हुए पुलिस को सूचना दी है तथा अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एसडीओ राजेश वर्मा ने बताया कि नहर में करीब 400 से 500 मरी मुर्गियां डाली गई हैं। इससे न केवल नहर का पानी प्रदूषित होने का खतरा पैदा हो गया है, बल्कि आसपास के क्षेत्र में बदबू व संक्रमण फैलने की आशंका भी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि यह कार्य किसी अज्ञात व्यक्ति या समूह की ओर से किया गया है। उन्होंने बताया कि मामले को लेकर कनिष्ठ अभियंता सुनील दत्त ने अज्ञात दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए एसडीओ को लिखा है। साथ ही विभाग की ओर से तुरंत 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी गई। इसके अलावा फैजाबादी पुलिस चौकी को भी घटना से अवगत कराया गया है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

ज्ञानीराम सिरोया व दयानंद रोहिल्ला के नेतृत्व में राष्ट्रीय महासम्मेलन बनेगा सामाजिक जागरण का अभियान

राष्ट्रीय पहचान के संकल्प के साथ आगे बढ़ा रोहिल्ला टांक क्षत्रिय समाज

युवाओं, महिलाओं और बुद्धिजीवी से अभियान के साथ जुड़ने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

रोहिल्ला टांक क्षत्रिय समाज को राष्ट्रीय स्तर पर संगठित पहचान दिलाने के उद्देश्य से श्री नामदेव धर्मशाला एवं छात्रावास पुरानी सराय में आयोजित जिला स्तरीय बैठक ने समाज जागरण का राष्ट्रीय संदेश दिया। बैठक में समाज के वरिष्ठ नेतृत्व व विभिन्न राज्यों से पहुंचे प्रतिनिधियों ने आगामी राष्ट्रीय महासम्मेलन को समाज की एकता, सम्मान और राजनीतिक भागीदारी का निर्णायक मंच बनाने का संकल्प लिया। समाज के संरक्षक भामाशाह ज्ञानीराम सरोया ने कहा कि समाज की शक्ति उसकी एकता, शिक्षा और संगठन में निहित है। उन्होंने समाज बंधुओं से आह्वान किया कि आपसी मतभेद समाप्त कर राष्ट्रीय पहचान निर्माण के अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई जाए। उन्होंने कहा कि समाज के करोड़ों लोग देशभर में कार्यरत हैं, अब समय आ गया है कि समाज अपनी सामूहिक शक्ति राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करें। राष्ट्रीय प्रधान दयानंद रोहिल्ला ने कहा कि लोकतंत्र में वही समाज आगे बढ़ता है, जो संगठित होकर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करता है। उन्होंने युवाओं, महिलाओं और बुद्धिजीवी वर्ग को राष्ट्रीय महासम्मेलन से जोड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि यह आयोजन समाज के सामाजिक, शैक्षणिक व राजनीतिक भविष्य की दिशा तय करेगा। बैठक में निर्णय लिया गया कि नवंबर, दिसंबर माह में नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में रोहिल्ला टांक क्षत्रिय समाज का विशाल राष्ट्रीय महासम्मेलन आयोजित किया जाएगा। जिसमें देशभर के समाज बंधुओं की ऐतिहासिक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हुए सरोज कश्यप को महिला प्रधान व युवा नेतृत्व को मजबूत करने हेतु राहुल लखमरा को युवा प्रधान मनोनीत किया गया।

कार्यक्रम संयोजक रमेश पंवार ने कहा कि नागपुर व हिसार में समाज जागरण के बाद अब दिल्ली का आयोजन राष्ट्रीय पहचान स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम होगा।

नारनौल। बैठक को संबोधित करता प्रधान दयानंद रोहिल्ला।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर नामदेव चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रधान पुष्करमल वर्मा, सचिव सोहम प्रकाश वर्मा एडवोकेट, समिति एवं ट्रस्ट के संरक्षक सुभाष चंद्र वर्मा ठेकेदार, पूर्व प्रधान बाबूलाल वर्मा, पूर्व ट्रस्ट सचिव सत्यनारायण वर्मा एडवोकेट, सत्यनारायण रोहिल्ला, आर्य रमेश रोहिल्ला, राजबीर सिंह, ईश्वर सिंह, सुरेश रोहिल्ला, सुभाष रोहिल्ला, जयभगवान, अटेली प्रधान विजयपाल रोहिल्ला, महेंद्रगढ़ प्रधान बृजलाल, नीमराना प्रधान सीताराम आदि उपस्थित रहे।

बेटियों के सशक्तिकरण एवं आत्मरक्षा सिखाने को लगेगा आर्य कैंप

नारनौल। बदलते माहौल में बेटियों के सशक्तिकरण, चरित्र निर्माण एवं आत्मरक्षा के गुर सिखाने का बीड़ा आर्य समाज नांगल चौधरी ने उठाया है। इसके तहत नांगल चौधरी रोड स्थित गांव भोजावास के सरस्वती सीनियर सेकेंडरी स्कूल में "आर्या वीरांगना चरित्र निर्माण एवं आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर" का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर 31 मई से 6 जून तक आयोजित होगा। शिविर का आयोजन आर्य समाज नांगल चौधरी के सौजन्य से किया जा रहा है। आर्य समाज के नवनिर्वाचित जिला प्रधान एवं पूर्व सैनिक धर्मबीर यादव ने बताया कि यह आर्य समाज नांगल चौधरी का पांचवां वार्षिक शिविर है। उन्होंने कहा कि शिविर का मुख्य उद्देश्य बेटियों को आत्मनिर्भर, संस्कारित एवं आत्मरक्षा के प्रति जागरूक बनाना है, ताकि वे हर परिस्थिति में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी बेटियों को इस प्रशिक्षण शिविर में अवश्य भेजें।